फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 140 प्रभात जयपुर, शनिवार 21 दिसम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Wah Ustad Wah! Ruk Kyun Gaye?

"He's a fearsome technician and also a whimsical inventor, devoted to exuberant play. So, he rarely seems overbearing, even when the blur of his fingers rivals the beat of a hummingbird's wings." - *New York Times*

Outdoor Living Trends in 2025

आखिर कल के घटनाक्रम का फुटेज कहाँ है?

कांग्रेस का कहना है, प्रशासनिक मामलों में अंतिम अथॉरिटी लोकसभा स्पीकर की होती है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि संसद कॉम्प्लैक्स पर अंतिम अथॉरिटी लोकसभा स्पीकर की होती है, जिन्होंने कल की घटना का सी.सी.टी.वी. फुटेज जारी करना उचित नहीं समझा, जिस घटना के परिणामस्वरूप भाजपा तथा विपक्षी दलों के बीच मुठभेड़ हो गई थी।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह बात बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि कौन सच बोल रहा है और कौन तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है और पब्लिक डोमेन में कोई सबूत उपलब्ध नहीं होने के बावजूद, पुलिस ने भाजपा की शिकायत पर राहुल गाँधी के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज की है। लेकिन, पुलिस में कांग्रेस की शिकायत पर भाजपा नेताओं के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करना उचित नहीं समझा है।

नाराज प्रियंका ने कहा, भाजपा सांसदों की शिकायत पर पुलिस ने मेरे भाई के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर ली, पर कांग्रेस के कई सांसद, जिनमें कई महिला सांसद भी थीं, पुलिस स्टेशन गए शिकायत दर्ज कराने, लेकिन उनके बार-बार कहने पर भी उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

- घटना के विरोध में कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष का औपचारिक चाय का निमंत्रण भी स्वीकार नहीं किया, जो संसद के सत्रावसान पर स्पीकर द्वारा सभी राजनैतिक दलों को दिया जाता है।
- क्रोधित प्रियंका गांधी ने कहा, पुलिस ने भाजपा सांसदों की शिकायत पर तो मेरे भाई के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर ली, पर हमारी महिला सांसदों ने कई बार शिकायत की, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान तक नहीं दिया।
- प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आसन ने यह तकनीकी कारण बताकर खारिज कर दिया, कि इसमें 14 दिन की आवश्यक अवधि पूरी नहीं हो रही है।

आज लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई, किसी भी सदन में कोई कामकाज नहीं हुआ। तथापि, आज एक जॉइन्ट पार्लियामैंटरी कमेटी गठित करने की घोषणा की गई।

प्रचलित प्रथा के अनुसार, सत्र की समाप्ति पर विपक्षी दलों के नेता स्पीकर द्वारा आयोजित चाय पार्टी में शामिल होते हैं, लेकिन, कांग्रेस पार्टी ने इस चाय पार्टी का बायकॉट किया।

क्रोधित प्रियंका गाँधी ने बाद में कहा कि भाजपा ने उनके भाई राहुल गाँधी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की है, तो हम स्पीकर की चाय पार्टी में शामिल क्यों हों।

कांग्रेस ने कहा, राज्यसभा चेयरमैन तथा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव भी केवल तकनीकी कारणों से रद्द कर दिया गया, क्योंकि नियमानुसार अविश्वास प्रस्ताव के लिए 14 दिन का नोटिस पीरियड जरूरी है और जब नोटिस दिया गया शीतकालीन सत्र में केवल 10 दिन बचे थे। यह पहली बार है, जब विपक्ष द्वारा राज्यसभा चेयरमैन के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है और कांग्रेस के नेताओं के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप विपक्ष तथा राज्यसभा चेयरमैन के बीच संबंध और अधिक खराब हुए हैं।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, मोदी और अमित शाह का निशाना राहुल गाँधी हैं और इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा यदि भाजपा के दोनों बड़े नेता राहुल गाँधी को अयोग्य करार देकर संसद से बाहर करवाने का प्रयास करते हैं तो, राहुल गाँधी लगातार गौतम अडानी के मुद्दे पर दोनों को, खासकर मोदी को परेशान कर रहे हैं।

ओम प्रकाश चौटाला का निधन

सिरसा, 20 दिसंबर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला का निधन हो गया है। वे 89 साल के थे। शुक्रवार को वे गुरुग्राम में अपने घर पर थे। उन्हें दिल का दौरा पड़ा। जिसके बाद साढ़े 11 बजे उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में लाया गया। करीब आधे घंटे बाद दोपहर 12 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

सूचना मिलते ही उनके बेटे अजय, अभय चौटाला और पोते पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला अस्पताल में पहुंचे। वहीं अस्पताल के बाहर उनके समर्थकों की भीड़ भी जुटी।

ओम प्रकाश चौटाला के निधन के कारण राज्य में तीन दिन का राजकीय शोक रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा सहित कई राजनेताओं ने अपने सोशल हैंडल पर शोक व्यक्त किया है। चौटाला के निधन का समाचार मिलते ही उनके समर्थक सिरसा व तेजाखेड़ा फार्म हाउस पर एकत्रित होने शुरू हो गए थे।

- हरियाणा सरकार ने तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया।

चौटाला के निधन पर सैनी सरकार ने पूरे प्रदेश में 22 दिसंबर तक तीन दिन का राजकीय शोक रखा गया है और 21 दिसंबर को प्रदेश में एक दिन का अवकाश रहेगा। शुक्रवार से 22 दिसंबर तक प्रदेश में कोई सरकारी मनोरंजन कार्यक्रम नही होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भागवत ने आर.एस.एस. का नया अध्याय लिखने का प्रयास किया

देश में बढ़ता साम्प्रदायिक तनाव कम करने की कोशिश करते हुए उन्होंने आए दिन उठाए जा रहे मंदिर-मस्जिद विवादों पर चिंता जताई

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। देश में बढ़ती जा रही साम्प्रदायिक भावनाओं को कम करने की कोशिश के अन्तर्गत, आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत ने अनेक मंदिर-मस्जिद विवादों के उभरने की चिन्ता व्यक्त की है तङथा कहा है कि अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के बाद, कुछ लोग यह मानने लगे हैं कि वे इस प्रकार के मुद्दे उभार कर "हिन्दुओं के नेता" बन सकते हैं।

भागवत ने कहा कि दुनिया को दिखा देने की जरूरत है कि यह देश मेल-मिलाप एवं मित्रभाव में रह सकता है। वे आज "सहजीवन व्याख्यानमाला में "भारत- विश्वगुरु" विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुये, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख ने कहा कि क्रिसमस रामकृष्ण मिशन में भी क्रिसमस मनाया जाता हैं तथा "केवल हम ही ऐसा कर सकते हैं, क्योंकि हम हिन्दू हैं।"

उन्होंने कहा, "हम लम्बे समय से मिलजुल कर रह रहे हैं। अगर हम विश्व को यह मेल-मिलाप उपलब्ध कराना चाहते हैं, तो हमें इसका एक आदर्श बनने की जरूरत है। राम मंदिर के निर्माण के बाद, कुछ लोग यह सोचने लगे हैं कि नई-नई जगहों पर इसी प्रकार के मुद्दे उभार कर, वे हिन्दुओं के नेता बन सकते हैं।"

- डॉ. भागवत ने, "भारत- विश्व गुरु" विषय पर सहजीवन व्याख्यानमाला में बोलते हुए एकीकृत समाज पर जोर दिया।
- भागवत ने कहा, अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद कई लोगों को लगता है कि मंदिर और मस्जिद का विवाद उठा कर वे हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। हर दिन एक नया विवाद उठाया जा रहा है, इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है।
- उन्होंने कहा, हमारे यहाँ रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस मनाया जाता है, यह सिर्फ इसी देश में हो सकता है। हमें विश्व को "सद्भाव" देना है तो हमें खुद इसका आदर्श बनना होगा।

उन्होंने किसी स्थल विशेष का नाम लिये बिना कहा, "हर दिन एक नया मामला (विवाद) उभारा जा रहा है। ऐसा कैसे होने दिया जा सकता है? यह जारी नहीं रह सकता। भारत को यह दिखा देना जरुरी हैं कि हम साथ-साथ रह सकते हैं।" इन दिनों, मन्दिरों को खोज निकालने के लिये मस्जिदों के सर्वे की बहुत सी माँगें अदालतों तक पहुँच गई हैं, भले ही भागवत ने अपने व्याख्यान में इनमें से किसी का नामोल्लेख नहीं किया हो। उन्होंने कहा कि कुछ समूह, जो बाहर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने बाँग्लादेश को कड़ी फटकार लगाई

फटकार के बाद बाँग्लादेश ने फेसबुक से भारत विरोधी पोस्ट डिलीट की

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। भारत ने उस फेसबुक पोस्ट के लिये बाँग्लादेश को झाड़ लगाई है, जिसे देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद युनुस के एक निकटस्थ सहयोगी ने फेसबुक पर डाला था तथा जिसे अब डिलीट कर दिया गया है। उस व्यक्ति ने पोस्ट में बाँग्लादेश से सटे भारतीय भू-भाग को छीन कर बाँग्लादेश में मिलाने की धमकी दी थी।

यूनुस के प्रमुख सलाहकार महफूज़ आलम की पोस्ट का हवाला देते हुये विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता, राँधी जायसवाल ने कहा, "हमने इस मुद्दे पर बाँग्लादेश को कड़ा विरोध दर्ज करा दिया है। हम और संदर्भित पोस्ट अब कथित रूप से हटा ली गई है।"

आलम ने 16 दिसम्बर को फेसबुक पर डाली गई अपने पोस्ट से एक विवाद खड़ा कर दिया है। ज्ञातव्य है कि 16 दिसम्बर को पाकिस्तान की सेना पर 1971 के "मुक्ति युद्ध" में हुई जीत के उपलक्ष्य में "विजय दिवस" मनाया जाता है। पोस्ट में महफूज़ ने भारत पर ऐसी नीतियाँ अपनाने का आरोप लगाया था जिनका उद्देश्य "बाँग्लादेश को दबाना तथा नियंत्रित रखना" है। महफूज़ ने इन नीतियों को 1975 के विप्लव, जिसके परिणामस्वरूप शेख मुजीबुर्रहमान तथा उनके अधिकांश परिजनों की मृत्यु हुई

- बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के करीबी सहयोगी महफूज़ आलम ने विजय दिवस पर लिखी पोस्ट में भारत पर बाँग्लादेश को दबाने का आरोप लगाया और भारत के कुछ भागों को छीन लेने की धमकी दी।
- ज्ञातव्य है कि सितम्बर में न्यूयॉर्क में हुए क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव मु यूनुस ने महफूज़ को बाँग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शनों का मास्टरमाइंड बता कर सबसे मिलवाया था।
- भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बाँग्लादेश के प्रति कड़ी नाराज़गी जताई और सार्वजनिक बयानबाजी में सतर्कता बरतने की हिदायत दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 20 दिसम्बर (निसं)। शहर के विज्ञान नगर थाना इलाके के हॉस्टल में एक कोचिंग छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

कोचिंग छात्र बीते 8 माह से कोटा में रहकर जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहा था। छात्र मूल रूप से बिहार के वैशाली जिले का निवासी था। घटना की सूचना के बाद पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे, जहां गहन जांच पड़ताल की गई। साथ ही, फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। विज्ञान नगर थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि 16 वर्षीय बिहार के वैशाली निवासी छात्र ने आत्महत्या कर ली। वह कोटा के निजी कोचिंग से इंजीनियरिंग एंट्रेंस की तैयारी कर रहा था तथा रोड नंबर 5 स्थित एक हॉस्टल में रह रहा था। पुलिस को शुक्रवार सुबह 10.30 बजे घटना की जानकारी मिली। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। साथ ही, घटना की

- बिहार का रहने वाला 16 वर्षीय छात्र इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय अर्थव्यवस्था, दो अलग दृष्टिकोण, ना दोनों पूरे सत्य हैं, ना ही झूठ

एक दृष्टिकोण केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का है और दूसरा विपक्ष के नेता राहुल गाँधी का

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर। इस सप्ताह हमे भारतीय अर्थव्यवस्था के दो एकदम अलग और परस्पर विरोधी। एक दृष्टिकोण वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से दूसरा विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिला। दोनों दृष्टिकोण एक समय में सच नहीं हो सकते, दोनों झूठ हो सकते है। पर ऐसा लगता है दोनों में सत्य के कुछ अंश है।

संसद के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही में जी.डी.पी. में जो गिरावट आई थी, जिसकी काफी चर्चा हुई वह क्षणिक थी और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है। ग्रोथ रेट जल्दी ही बढ़ने लगेगी और उच्च स्तरीय ग्रोथ रेट के पथ पर अग्रसर है।

- सीतारमण ने वित्त मंत्री होने के नाते सकारात्मक नज़रिया प्रस्तुत किया और कहा कि जी.डी.पी. की गिरावट क्षणिक है। एक सैक्टर के प्रदर्शन से पूरी अर्थव्यवस्था को कमज़ोर नहीं कहा जा सकता।
- उन्होंने कहा, देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है और जल्दी ही ग्रोथ रेट भी बढ़ने लगेगी।
- इसके विपरीत विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने "क्रोनी कैपिटलिज़्म" का हवाला दिया और कहा कि इस वजह से निर्माण क्षेत्र कमज़ोर हुआ, मुद्रा अवमूल्यन हुआ है, खपत भी घटी है।

इससे पहले राहुल ने एक्स पर एक पोस्ट में अर्थव्यवस्था की गिरावट पर लिखा व कहा क्या होता है जब सरकार निष्पक्ष व्यापारों क्रोनी व्यवसायों को प्राथमिकता देती है।

गांधी ने इसका जवाब दिया "कमजोर निर्माण क्षेत्र, मुद्रा का अवमूल्यन, व्यापारिक घाटा, बढ़ी हुई ब्याज दर, घटती खपत बढ़ती महंगाई। निश्चित रुप से इनमें से कुछ आंकड़े विपक्ष के दृष्टिकोण की पुष्टि करते है। पर ऐसा बहुत कुछ है जो एकाएक दिखाई नहीं देता है।

निर्मला सीतारमण ने संसद में बहस के दौरान जो कुछ कहा पहले उसे गहराई से देखते है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि निर्माण क्षेत्र में अचानक गिरावट आई। औद्योगिक वृद्धि की रेट दूसरी तिमाही में घटकर 2.2 प्रतिशत रह गई, जिससे औद्योगिक क्षेत्र पर असर पड़ा। ग्रोथ केवल 5.4 प्रतिशत रही, हालांकि कुछ लोग ग्रोथ रेट 6.8 प्रतिशत के आसपास मान रहे थे।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह भविष्य का पूर्वानुमान नहीं था। एक
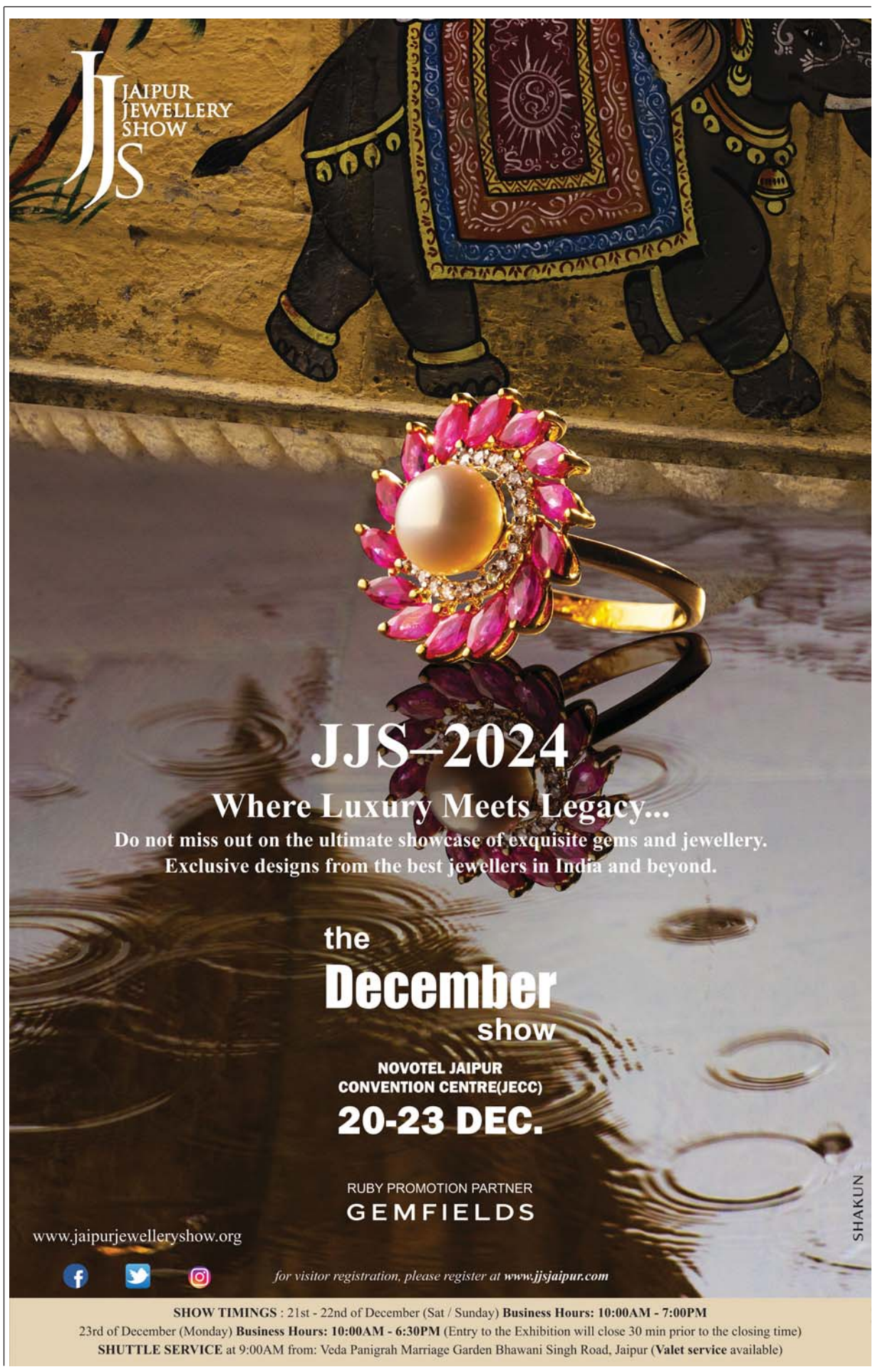
(शेष अंतिम पृष्ठ पर)